सेट–1

आदर्श प्रश्न पत्र

हायर सेकेन्डरी परीक्षा

पुस्तपालन एवं लेखाकर्म

[Book-Keeping & Accounts]

Time – 3 hours M.M. - 100

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(2) प्रश्न–पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(3) प्रश्न–पत्र में दो खण्ड दिये गये हैं खण्ड–'अ' और खण्ड–'ब'

(4) खण्ड–''अ'' में दिये गये प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति सत्य/असत्य, सही जोडी, एक शब्द में उत्तर देना तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक का हैं।

(5) खण्ड–''ब'' में प्रश्न क्रमांक 6 से 20 में आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(6) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक आवंटित हैं। शब्द सीमा 75 शब्द।

(7) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक के लिये प्रश्न पर 5 अंक आवंटित हैं। शब्द सीमा 100 शब्द।

(8) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 6 अंक आवंटित हैं शब्द सीमा लगभग 125 शब्द।

Instructions : –

(1) All questions are compulsory.
(2) Read the instructions of question paper carefully and write their answer.
(3) There two Part - Section-'A' and Section-'B' in question paper.
(4) In Section-'A' Question No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blanks, True / False, one word Answer, Match the column and choose the correct Answers. Each question is Allotted 5 marks.
(5) Internal Options are given in Q. Nos. 6 to 20 in section 'B'.
(6) Q. No. 6 to 10 Carry 4 marks each. Word limit 75.
(7) Q. No. 11 to 15 Carry 5 marks each. Word limit 100.
(8) Q. No. 16 to 20 Carry 6 marks each. Word limit 125.

खण्ड –''अ''
(Section-A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

अ) बीजक मूल्य में.....सम्मिलित रहता है।

ब) गुणनफल विधि द्वारा.....पर ब्याज की गणना की जाती है।

स) दायित्वों में कमी फर्म का.....होता है।

द) वसूली खाते का शेष.....दर्शाता है।

इ) सिंकिंग फण्ड तालिका का प्रयोग.....खाते बनाने के लिये किया जाता है।

Fill in the blanks :–

a) …….includes in invoice price.

b) By productive method interest calculated on……

c) Decrease in the value of liability is a…….of firm.

d) The balance of realization account shows……..

e) Sinking fund Table is used for preparing……..a/c.

प्र.2 निम्नलिखित का सत्य या असत्य में उत्तर दीजिये –

अ) प्रेषण स्कंध का मूल्यांकन सदैव लागत मूल्य में किया जाता है।

ब) ख्याति एक बिक्री योग्य सम्पत्ति है।

स) पुर्नमूल्यांकन खाता संपत्ति के विक्रय पर बनता है।

द) ऋण पत्रों पर केवल लाभ होने की दशा में ही ब्याज दिया जाता है।

इ) ऋण पत्रों का शोधन लाभों में से किया जाता है।

Answer the following in True or False :–

a) Consignment stock is valued always at cost.

b) Good will is a salable asset.

c) Re-valuation account prepairs at the time of saleing assets.

d) Interest is paid on debentures, only in case of profit.

e) Redemption of debentures can be made out of profit.

प्र.3 निम्नलिखित का 'एक शब्द' में अन्तर दीजिये –

अ) प्रेषण पर कौन सा अधिनियम लागू होता है।

ब) स्थायी पूंजी पद्धति की दशा में आहरण पर ब्याज किस खाते में दर्शायेंगे।

स) त्याग–अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है।

द) साझेदारी फर्म के पुर्नगठन को किस प्रकार का समापन कहते हैं।

इ) क्या ऋण–पत्रों को जब्त किया जा सकता है।

Write the answer of the following in one word :

i) Which Act, applied on consignment?

ii) In which A/c interest is shown on drawings in fixed capital method?

iii) Why is sacrificing ratio calculated?

iv) Re-constitution of partenership firm is known as which type of dissolution?

v) Are the debentures can be for forefeited ?

प्र.4 सही जोडी बनाइये –

"अ"	**"ब"**
(अ) प्रेषण स्कंध उचन्त खाता खोला जाता है।	(i) साझेदारी का पुर्नगठन
(ब) साझेदारों के लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन।	(ii) जब बिना–बिके माल का मूल्यांकन बीजक मूल्य पर हो।
(स) लेखांकन प्रमाप 10 का संबंध है।	(iii) समापान
(द) साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 39	(iv) ऋण–पत्र
(इ) कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 2 (12)	(v) ख्याति
	(vi) लाभ

Match the correct pairs :-

(A)	(B)
(a) Consignment stock suspense A/c is opened.	(i) Re-consititution of firm.
(b) Change in profit sharing Ratio of partners	(ii) When goods un sold is valued at invoice-price
(c) Accounting standard 10 is related to	(iii) Dissolution
(d) Under section 39 portnership Act 1932	(iv) Debanture
(e) Under sec. 2 (12) company Act 1956	(v) Good will
	(vi) Profit

प्र.5 सही विकल्प चुनिये :–

1) प्रेषित माल का लागत मूल्य 16500 रु. है, किंतु बीजक–मूल्य लागत मूल्य से 10% अधिक है, प्रेषित माल का बीजक मूल्य होगा –

अ) 18050 ब) 18250

स) 11850 द) 18150

2) साझेदारी फर्म जो कि बैंकिंग व्यवसाय कर रही हो, उसमें साझेदारों की संख्या होती है –

अ) 20 ब) 15

स) 10 द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3) X व Y 2 : 3 के अनुपात में लाभ बॉटते हैं, उन्होंने भविष्य में समान अनुपात में लाभ बॉटना तय किया, कौन सा साझेदार किस अनुपात में त्याग करेगा –

अ) X द्वारा त्याग 1/10 ब) Y द्वारा त्याग 1/5

स) X द्वारा 1/5 द) Y द्वारा 1/10

4) पुर्नमूल्यांकन खाते की हानि लिखी जाती है –

अ) चालू खाते के Cr पक्ष में ब) पूंजी खाते के Cr क्रेडिट पक्ष में

स) रोकड़ खाते के Dr डेविट पक्ष में द) पूंजी खाते के Dr डेविट पक्ष में

5) साझेदारी के फर्म के समापन पर लाभ–हानि खाते के शेष को हस्तान्तरित करते हैं

अ) वसूली खाते में ब) रोकड़ खाते में

स) साझेदारों के पूंजी खाते में द) कोई नहीं

Choose the correct option :–

i) The cost of goods invoiced are Rs. 16500 and invoice price is 10% more than cost price. The invoice price of goods invoice will be -

a) 18050 b) 18250

c) 11850 d) 18150

ii) A partenership firm who is working as a Banking business whose members are -

a) 20 b) 15

c) 10 d) None of these

iii) 'X' and 'y' Sheres profit in ratio 2 : 3. In future they decide to share profit in equal ratio, which partner will sacrifice in which ratio -

a) 'x' sacrifice 1/10 b) 'y' sacrifice 1/5

c) 'x' sacrifice 1/5 d) 'y' sacrifice 1/10

खण्ड ''ब''

Section-'B'

प्र.6 R, S तथा H एक व्यापार में साझेदार हैं –

1 जनवरी 2000 को उनकी पूँजी क्रमशः 20,000 रु., 10,000 रु. तथा 5,000 रु. की थी। जिस पर 4% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाना है, H 500 रु. प्रतिवर्ष वेतन पाने का अधिकारी है। ब्याज तथा वेतन काटने के पश्चात लाभ के प्रथम 1000 रु. R, S तथा H में 9 : 7 : 4 के अनुपात में अगले 1000 रु. 9 : 6 : 5 के अनुपात में तथा शेष तीनों में बराबर विभाजित किया जायेगा। 31 दिसंबर 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष में ब्याज एवं वेतन घटाने के पूर्व रू. 4500 का लाभ था। उक्त वर्ष का लाभ–हानि खाता तथा साझेदारों के पूंजी खाते बनाइये।

R, S and HY are partners in a firm on 1st Jan. 2000, their capital was Rs. 20,000, Rs. 10,000, Rs. 5,000. Interest provided @ 4% on partner's capital. H is to receive Rs. 500 p.a. as salary. After deducting interest and salary first Rs. 1000 of the profit is to be distributed in the ratio of 9 : 7: 4, further Rs. 1000 in the ratio of 9 : 6 : 5 and remaining amount to be distributed equally, On 31st Dec, 2000 the years profit was Rs. 4,500 before deduting interest and salaries.

Prepare profit and Lass A/c and Capital Account of the partners.

अथवा

(Or)

लाभ की गारण्टी से क्या आशय है? साझेदार को एक साझेदार द्वारा गारण्टी का व्यवहार कैसे किया जाता है?

What does guarantee of profit mean ? How is guarantee to a partner by a partner is dealt?

प्र.7 पूर्वाधिकार एवं समता अंशों में अंतर लिखिये – (कोई चार)

Mention the difference between equity shares and preference shares (Any four)

अथवा

(Or)

नायक प्रिंटर्स इण्डिया लिमिटेड की अधिकृत पूंजी 15,00,000 रु. है, जो 10 रु. वाले 1,00,000 समता अंशों व 10 रु. वाले 50,000 10% पूर्वाधिकार अंशों में विभाजित हैं। कंपनी ने 30,000 समता अंशों एवं 20,000, 10% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन किया, संपूर्ण राशि आवंटन पर देय है, संपूर्ण राशि प्राप्त हो गई।

कंपनी की बहियों में जर्नल के लेखे कीजिये।

Authorised capital of Nayak Printers India Limited is Rs. 15,00,000 which is divided in to 1,00,000, Eauity shares of Rs. 10 each and 50,000 preference share of Rs. 10 each. Out of these shares the company has issued 30,000, Equity shares and 20,000, 10% preference shares. All amount is payable on application. Full amount has been received.

Pass the journal entries in the books of the company.

प्र.8 निम्नांकित दशाओं में अग्रवाल लिमि. की पुस्तकों में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिये –

एक व्यवसाय 2,20,000 रु. में क्रय किया। इस क्रय मूल्य का भुगतान 6% ऋण पत्रों द्वारा किया गया, ऋण–पत्र 2,00,000 रु. के थे। जिन्हें इस क्रय के लिये 10% प्रीमियम पर निर्गमित किया गया।

Pass necessary Journal entries in the book's of Agrawal Ltd in the following cases-

A Business was purchased for Rs. 2,20,000. Purchase price was paid by issue of 6% debentures. Debentures of Rs. 2,00,000 were issued at 10% premium for the purpose of the purchases.

अथवा

(Or)

ऋण–पत्रों के किन्हीं चार प्रकारों को समझाइये।

What are the various types of debenture? Explain any four.

प्र.9 पूंजी संचय व संचित पूंजी में अंतर समझाइये।

Differentiate between capital reserve and reserve capital.

अथवा

(Or)

स्थिति विवरण में सम्मिलित की जाने वाली दायित्व पक्ष की मदों की विवेचना कीजिये।

Explain main items of liability side of a balance sheet.

प्र.10 वित्तीय विश्लेषण की कोई चार सीमाओं को समझाइये।

Explain any four limitations of financial analysiss.

अथवा

(Or)

तुलनात्मक आय–विवरण का प्रारूप बनाईये।

Make the pro-forma of comparative income statement.

प्र.11 अनुपात विश्लेषण के कोई चार उद्देश्य लिखिये।

Explain the objectives of ratio analysis (any four).

अथवा

(Or)

निम्नलिखित दशाओं में सकल लाभ अनुपात ज्ञात कीजिये –

1) बिक्री – 2,4,00,000 रु.

सकल लाभ – 7,20,000 रु.

2) बेचे गये माल की लागत – 9,50,000 रु.

बिक्री – 12,50,000 रु.

Calculate the gross profit ratio in the following conditions :-

i) Sales = 24,00,000 Rs.

Gross Profit = 7,20,000 Rs.

ii) Cost of goods sold = 9,50,000 Rs.

Sale = 12,50,000 Rs.

प्र.12. मुम्बई के बलबीर ने आगरा के अमीर चंद को 25 बिजली के पंखे 400 रु. प्रति पंखे के लागत मूल्य पर प्रेषण पर बेचने के लिये भेजे। बीजक में उनका लागत मूल्य 20% अधिक लगाया गया, बलबीर ने 100 रु. पैंकिंग व्यय 50 रु. रेल भाडा तथा 250 रु. बीमा व्यय चुकाया, रास्ते में 5 पंखे गुम हो गये, और बीमा कंपनी ने आनुपातिक व्यय सहित उनका दावा स्वीकार किया, प्रेषणी ने 80 रु. चुंगी देकर माल छुड़ाया और 18 पंखे 9180 रु. में बेच दिये, इन पर 1% दलाली और 120 रु. बिक्री व्यय के चुकाये, एजेंट को बीजक मूल्य पर 5% तथा बीजक मूल्य से अधिक राशि पर बिक्री करने पर 10% कमीशन दिया गया ऐजण्ट ने बिक्री विवरण के साथ शेष राशि का बैंक ड्राफ्ट भेजा और सूचित किया कि एक पंखा खराब हो गया जिसकी मरम्मत पर 50 रु. व्यय होने की अनुमान है।

उपर्युक्त विवरण से प्रेषक की पुस्तकों में आगरा प्रेषण खाता बनाइए।

Balbir of Mumbai cansigned 25 electric fans at a cost of Rs. 400 per fan to their agent Amirchand of Agra. The invoice price is 20% more than cost price. He paid Rs. 100 for packing charges, Rs. 50 for freight and Rs. 250 for insurance. 5 fans were lost inrransit and the Insurance Co. accepted the claim including proportionate expenses. The consignee paid Rs. 80 for Octroi and sold 18 fans for Rs. 9,180. He paid 1% Brokerage and Rs. 120 for selling expenses. It was agreed to pay to the agent 5% commission on the invoice price and 10% commission on excess price of goods sold. The agent remitted a Bank draft of the balance with the Account sale. It was reported by the agent that the cost of repairing one damaged fan will be estimated to Rs. 50.

Prepare the following Accounts in the book of consignar – Agra consignment account.

अथवा

(Or)

1 जनवरी 2001 को मुम्बई के श्री बाबूलाल ने रायपुर के अमजद अली को 100 पेटियां चाय की जिनका लागत मूल्य 7500 रु. था, $33^{1/3}$% सूचनार्थ बीजक में अधिक लगाकर प्रेषण पर भेजी। उसी दिन श्री बाबूलाल ने 600 रु. रेल भाडे आदि पर व्यय

किये। 10 जनवरी को अमजद अली ने 1,200 रु. चुंगी, गाडी–भाडा आदि पर व्यय कर माल छुडाया तथा 4000 रु. प्रेषण के लिये अग्रिम प्रेषक को भेजे। 31 जनवरी को उसने 80 पेटियॉ 10,500 रु. में बेच दी। श्री अजमद अली को कुल विक्रय मूल्य पर 5ः तथा बीजक मूल्य से अधिक विक्रय मूल्य पर 10ः कमीशन प्राप्त होता है। उसने बाबूलाल को शेष राशि भेज दी। –

उपर्युक्त व्यवहारों के लिये प्रेषक की पुस्तकों में – अ) प्रेषण खाता

On 1st January 2001, Shri Babulal of Mumbai consigned 100 cases of tea costing Rs. 7500, at a proforma invoice price 331/3% above cost to Amzad Ali of Raipur. On the same date railway freight etc. On 10th Januanry Amzad Ali spent Rs. 1200, on octrai, cartage etc, and took delivery and remitted Rs. 40,000 as an advance against the consignment on 31st January he sold 80 cases for Rs. 10,500, Amzad Ali is entitled to 5% commission on gross sales and 10% on the sale price in excess of invoice price. He remitted the remaining amount to Babulal.

Prepare – i) Consignment a/c

प्र.13 'अ', 'ब', 'स' एक फर्म में साझेदार हैं, जो लाभ/हानि को 3 : 3 : 2 के अनुपात में बॉटते हैं। 31 मार्च 2007 को आर्थिक – चिठ्ठा निम्न प्रकार था –

दायित्व	राशि रू.	सम्पत्ति	राशि रू.
विविध		रोकड़ बैंक में	37,000
लेनदार	24,000	विविध देनदार	44,000
सामान्य		स्टॉक	1,20,000
संचय	36,000	मशीनरी	1,59,000
पूंजी खाते		भवन	2,00,000
अ–2,00,000			
ब–1,50,000			
स–1,50,000	5,00,000		
	5,60,000		**5,60,000**

1 अप्रेल 200% साझेदारों ने यह निश्चित किया कि वे लाभ/हानि को 4 : 3 : 2 के अनुपात में बॉटेगे यह निर्णय लिया गया –

(1) स्टॉक का मूल्यांकन 1,10,000 रु. किया गया।

(2) मशनी पर 10% ह्रास लगाया।

(3) देनदारों पर 5% संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान किया गया।

(4) भवन को 20% से बढ़ाया जाये।

(5) लेनदारों में 2500 रु. का एक दायित्व शामिल है, जिसके देय होने की संभावना नहीं है।

साझेदार नहीं चाहते कि सामान्य संचय को बांटा जाये व सम्पत्ति आदि के परिवर्तन मूल्य को पुस्तकों में लिखा जाये।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टि, पूंजी खाते व संशोधित चिट्ठा बनाइये।

A, B and C are partners sharing profit & losses in ratio 3:3:2. There Balance Sheet on 31st March 2007 as follow –

Liabilities	**Amount Rs.**	**Assets**	**Amount Rs.**
Sundry		Cash at Bank	37,000
Creditors	24,000	Sundry Debtors	44,000
General Rese.	36,000	Stock	1,20,000
Capital Accounts		Machinery	1,59,000
A- 2,00,000		Building	2,00,000
B- 1,50,000			
C- 1,50,000	5,00,000		
	5,60,000		**5,60,000**

Partners decided that with effect from 1st April 2007, they would share profit & loss in the ratio of 4:3:2. It was agreed that : –

(i) Stock be valued at Rs. 1,10,000

(ii) Machinery is to be depreciated by 10%

(iii) A provision for doubtful debts is to be made on debtors @ 5%

(iv) Building to be appreciated by 20%

(v) A liability for Rs. 2,5000, included in sundry creditors is not likely to arise.

They do not, however want to distribute the general reserve and record revised values of assets etc in the books. You are required to prepare Journal entreies, capital acoount of the partners and the revised balance sheet.

अथवा

(Or)

अ, ब, स, एक फर्म में साझेदार हैं। जो 2/5, 2/5 व 1/5 के अनुपात में लाभ/हानि को बॉटते हैं। 31 मार्च 2007 को आर्थिक चिट्ठा प्रकार था –

दायित्व	**राशि रू.**	**सम्पत्ति**	**राशि रू.**
विविध लेनदार	50,000	भूमि	50,000
अ– 10,00,000		भवन	50,000
ब– 50,000		प्लान्ट	1,00,000
स– 25000	1,75,000	स्टॉक	50,000
देय बिल	25000	देनदार	15000
सा. संचय	20,000	रोकड	5000
	2,70,000		**2,70,000**

अ, ब, स ने 2007 से लाभ/हानि समान अनुपात में बॉटना तय किया, यह तय किया गया –

1) फर्म की ख्याति 30,000 रु. अनुमानित की गई।

2) भूमि का पुर्नमूल्यांकन 80,000 पर किया गया भवन पर 6% ह्रास लगाया गया।

3) 400 रु. के लेनदार अपना दावा नही करेंगे, अतः उन्हें अपलिखित कर दिया जाये–

अ. साझेदारों का पूंजी खाता।

ब. पुर्नगठन के पश्चात फर्म का चिट्ठा बनाइये।

A, B and C are partners in a firm sharing profit & losses in ratio 2/5:1/5:1/5. There Balance Sheet as at 31st March 2007 was follows –

Balance Sheet

Liabilities	**Amount Rs.**	**Assets**	**Amount Rs.**
Sundry Cre		Land	50,000
Deditors	50,000	Building	50,000
Capital :		Plant	1,00,000
A- 1,00,000		Building	2,00,000
B- 50,000		Stock	50,000
C- 25,000	1,75,000	Debtors	15000
Bills payable	25,000	Cash	5000
General Res.	20,000		
	2,70,000		**2,70,000**

A, B and c decided to share profit equally, w.e.f. April 1, 2007. For his puopse it was agreed that :

i) The goodwill of the firm should be estimated at Rs. 30,000

ii) Land should be revalued at Rs. 80,000 and building should be depreciated by 6%..

iii) Creditors amounting to Rs. 400 were not likely to be claimed and hence should be written off -

a) Prepare capital accounts.

b) Prepare the balance sheet of he firm after reconstitution.

प्र.14 कम्पनी की किन्ही छः विशेषताओं को लिखिये ।

अथवा

(Or)

पूनम लिमिटेड ने 10 रु. वाले 3000 समता अंश 10% कटौती पर निर्गमित किये। इन पर 2 रु. आवेदन पर 3 रु. आवंटन (बट्टा सहित) पर और 5 रु. प्रथम एवं अन्तिम याचना पर देय है। मनोज ने जिसके पास 800 अंश हैं प्रथम याचना का भुगतान नही कर सका। अतः उसके अंशों का हरण कर दिया गया और 5% पर पुनः निर्गमित किया गया जर्नल के लेखे करो।

14. Poonam Ltd. has issued 3000 equity shares of Rs. 10/- each at 10% discount Rs. 2 to be paid on application, Rs. 3 on allotment and Rs. 5 to be paid on first and last call. Manoj is having 800 shares and was not able to pay on 1st coll hence his shares were forefieted, and reissued at 5%

प्र.15 राजेश और सीताराम साझेदार हैं जो क्रमशः 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हैं उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है –

दायित्व	राशि रू.	सम्पत्ति	राशि रू.
लेनदार	15,000	रोकड़	500
देय विपत्र	1000	देनदार 3000	
संचित कोष	2000	संदिग्ध ऋण	
पूंजी –		संचय (–) 500	2500
राजेश	75,000	स्टॉक	4500
सीताराम	4500	यंत्र	5000
		भवन	4000
	16500		**16500**

उन्होंने मोहन को निम्न शर्तों पर साझेदारी में प्रवेश दिया –

भवन 1500 रु. सें, यंत्र 1000 रु. से बढ़ाना है। संदिग्ध ऋण स्कंध का मूल्य 4200 रु. रखना है। नई फर्म की पुस्तकों में 3000 रु. से ख्याति खाता खोला जाये। मोहन लाभ में 1/5 भाग प्राप्त करने के लिये यथेष्ट पूंजी देगा।

पुर्नमूल्यांकन खाता एवं पूंजी खाता बनाइये।

Rajesh and Sitaram are partners sharing profit & loss in the ratio of 3:2. Their Balance Sheet is as follows –

Balance Sheet

Liabilities	**Amount Rs.**	**Assets**	**Amount Rs.**
Creditors	1500	Cash	500
Bills Payable	1000	Debtors 3000	2500
Gen. Reserve	2000	B.D. Res. 500	
Capital :		Stock	4500
Rajesh	7500	Machine	5000
Sitaram	4500	Building	4000
	16500		**16500**

They have allowed Mohan to join the partnership on following conditions. The Building and Machinery to be increased by Rs. 1500 and 1000. B.D. Res. to reduce to Rs. 200 and Skandh price to be kept Rs. 4200. In new books Rs. 3000 will be kept in Goodwill A/c. Mohan will invent sufficient capital to get 1/5 share in profit. Prepare revolution A/c and capital A/c.

अथवा

(Or)

अ, ब, स, बराबर के तीन साझेदार हैं। 31 दिसंबर, 2007 को फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार था –

दायित्व	**राशि रू.**	**सम्पत्ति**	**राशि रू.**
लेनदार	12,900	ख्याति	18,900
सामान्य कोष	4200	भवन	40,000
विनियोग मूल्य		विनियोग	5000
परिवर्तन कोष	1200	रहतिया	10,000
पूंजी –		देनदार 10,000	
अ –	30,000	(–) डूबत ऋण	
ब –	20,000	कोष 800	9200
स –	20,000	बैंक शेष	5200
	88,300		**88,300**

31 मार्च 2008 को 'स' की मृत्यु हो गई। 'स' की मृत्यु पर यह निश्चय किया कि –

1) भवन का मूल्य 58000 रु.

2) विनियोग का मूल्य 47000 रु.

3) रहतिया 9400 रु.

4) ख्याति का मूल्य गत पॉच वर्षों के औसत मूल्य के बराबर करना है।

5) मृत्यु के दिनांक तक के लाभ की गणना पिछले तीन वर्षो के औसत लाभ के आधार पर की जाये। फर्म के पांच वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं –

11500 रु. 14000 रु. 9000 रु. 8000 रु. तथा 10,000 रु.।

पुर्नमूल्यांकन खाता, पूंजी खाता तथा स्थिति विवरण बनाइये।

On 31st March, 2008 C died. On the death of C it was decided to –

i) Value the building at Rs. 58000

ii) Investment Rs. 4700

iii) Stock Rs. 9400

iv) The value of good will is to be calculated on the last 5 years average profit.

The last five years profit of the firm was as below –

Rs. 11500, Rs. 14000, Rs. 9000, Rs.8000 and Rs. 10000 respectively.

From the above information prepare revaluation account capital Account & Balance-Sheet of remaining partners.

प्र.16 'अ', 'ब', 'स' साझेदारी व्यवसाय चला रहे थे और लाभ हानि को 2:2:1 के अनुपात में बॉटते हैं। 31 दिसम्बर 2006 फर्म के समापन का निर्णय लिया गया है।

फर्म की पुस्तकें बंद करने के लिये निम्न सूचनायें उपलब्ध हैं –

1) समापन की तिथि पर साझेदारों के पूंजी खाते में निम्न शेष था –

अ. 50,000 रु. ब. 40,000 रु. व स. 30,000 रु.।

2) लेनदारों को 80,000 रु. देय था परंतु उन्हें इसका 90% पूर्ण भुगताना किया गया।

3) फर्म ने 'ब' से 20,000 रु. ऋण के ले रखे थे जो उसके पूंजी खाते में हस्तांतरित कर दिये गये।

4) विविध संपत्तियां जिनमें से 10,000 रु. रोकड़ शेष को छोड़कर 1,80,000 रु. प्राप्त हुये।

वसूली खाता, रोकड़ खाता व साझेदारों के पूंजी खाते बनाइये।

A, B, C, were carrying on business in partnership and sharing profit & loss in the ratio of 2:2:1. The firm was dissolved on 31st Dec. 2006. Following information was made available to close the books of firms :

i) On the date of dissolution, the capital Accounts of A, B, & C showed a balance of Rs. 50,000, Rs. 40,000 and 30,000 respectively.

ii) Amount due to creditors was Rs. 30,000 and 90% of the book value was paid to them in final sattlement.

iii) Firm had taken a loan of Rs. 20,000 frem B and to his capital Account

iv) Sundry assets excluding cash balance of Rs. 10,000 realised Rs. 1,80,000.

Prepare realisation account cash account & partner's capital account

अथवा
(Or)

पुनर्मूत्यांकन खाता और वसूली खाते में अन्तर कीजिए।

Differentiate between revaluation account and realisation account.

प्र.17 जब्त किये गये अंशों के पुनर्निर्गमन से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you understand by the issue of forfeited shares? Explain.

अथवा
(Or)

एक लिमिटेड कम्पनी ने 10 रु. वाले 10,000 अंश निर्गमित किये जिनका भुगतान आवेदन पर 2 रु. आबंटन पर 3 रु. तथा 5 रु. याचना पर करना था। 20,500 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए और संचालकों के निम्नानुसार आबंटन किया –

1500 अंश के आवेदन पर	कोई आबंटन नहीं
5,000 अंशों के आवेदन पर	सम्पूर्ण आबंटन
6,000 अंशों के आवेदन पर	50% आबंटन
8,000 अंशों के आवेदन पर	25% आबंटन

आवेदन राशि की अतिरिक्त रकम को आबंटन तथा याचना पर समायोजित किया जाना है। जिन्हें अंश बिल्कुल भी नही दिये गये, उन्हें उनकी आवेदन–राशि लौटायी गयी।

सभी राशियॉ निर्धारित समय पर वसूल हो गई। कम्पनी की पुस्तकों मे प्रविष्टयॉ लिखकर इसका चिट्ठा बनाइए।

A limited company issued 10,000 shares Rs. 2 on application, Rs. 3 on allotment and Rs. 5 on call.

Application were received for 20,500 share and the directors made the allotment in the following maner -

On application for 1500 share on, allotment.

On application for 5,000 share full allotment.

On application for 6,000 share 50% allotment.

On application for 8,000 share 25% allotment.

The surplus application money is to be utilised towards allotment and call. Application money was returned to those whom no shares were alloted.

All instalments were recovered in due time. Write up the journal of the company and prepare its Balance sheet.

प्र.18 अग्र सूचनाओं से तुलनात्मक चिट्ठा बनाइये –

विवरण	31 मार्च 2006	31 मार्च 2007
समता अंश पूँजी	25,00,000	25,00,000
स्थायी सम्पत्ति	30,00,000	36,00,000
संचय एवं अधिक्य	10,00,000	11,00,000
विनियोग	10,00,000	10,00,000
दीर्घ कालीन ऋण	15,00,000	15,00,000
चालू सम्पत्ति	15,00,000	10,50,000
चालू दायित्व	5,00,000	5,50,000

From the ahead informations, Prepare a comparative Balance Shee –

Particular	31st March 2006	31st March 2007
Equity Share Capital	25,00,000	25,00,000
Fixecd Assets	30,00,000	36,00,000
Reservr and Surplus	10,00,000	11,00,000
Invetment	10,00,000	10,00,000
Long tarm loans	15,00,000	15,00,000
Current Assets	15,00,000	10,50,000
Current liabilites	5,00,000	5,50,000

अथवा

(Or)

वित्तीय विश्लेषण लेनदारों, अंशधारियों व सरकार के लिये क्या महत्व रखता है?

What is the Significance of financial analysis to creditors shareholders and Government?

प्र.19 रोकड़ प्रवाह विवरण का प्रारुप बनाइये।

Make format of cash flow statement.

अथवा

(Or)

कोष प्रवाह विवरण व रोकड़ प्रवाह विवरण में अन्तर लिखिए?

Mention the difference between fund flow statement and cash flow statement.

प्र.20 एक कम्पनी ने 1,000 12% ऋण पत्र 100 रु. वाले 105 रु. की दर से निर्गमित किये जिनकी राशि 20 रु. प्रार्थना पत्र के साथ 35 रु. (प्रीमियम सहित) आबंटन पर तथा शेष दो समान किश्तों में देय थी। सभी ऋण पत्रों के लिए प्रार्थना पत्र आये तथा आबंटित किये थे। आबंटन के साथ समस्त राशि चुका दी। कम्पनी ने अन्तर्नियमों की व्यवस्था के अनुसार अग्रिम राशि पर 150 रु. ब्याज के चुकाये।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियॉ करिए।

A company issued for subscription 1,000 12% debenture of Rs. 100 each, at the rate of Rs. 105 each payable Rs. 20 on application, Rs. 35 with prium on allotment and the balance in two equal calls. Application for debentures were received an the allotment was made. One debenture holder holding 200 debentures paid all the money with allotment. As per provision of Articles company paid Rs. 150 as interest on advance money.

Pass Journal entries in the books of company.

अथवा

(Or)

ऋण–पत्रों के विभिन्न प्रकारों को समझाइये।

Explain the different types of debentures.

खण्ड –''अ''
आदर्श – उत्तर

उ.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति –

अ) लाभ

ब) आहरण

स) लाभ

द) वसूली पर लाभ या हानि

इ) ऋण–पत्र शोधन कोष

उ.2 सत्य/असत्य –

अ) असत्य

ब) सत्य

स) असत्य

द) असत्य

इ) सत्य

उ.3 एक शब्द में अन्तर –

अ) एजेन्सी अधिनियम

ब) साझेदारों के चालू खोतों में

स) ख्याति को पुराने साझेदारों के मध्य बांटने के लिये

द) साझेदारी का समापन

इ) नहीं

उ.4 सही जोड़ियॉ –

अ) जब बिना बिके माल का मूल्यांकन बीजक मूल्य पर हो।

ब) साझेदारी का पुर्नगठन

स) ख्याति

द) समापन

इ) ऋणपत्र

प्र.5 सही विकल्प –

अ) 18150

ब) 10

स) Y द्वारा त्याग 1/10

द) पूंजी खाते के Dr. पक्ष में

इ) साझेदारों के पूंजी खाते में

प्र.6 लाभ/हानि खाता –

(31 दिसम्बर 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये)

विवरण	राशि	विवरण	राशि
पूंजी पर लाभ R - 800 S – 400 H – 200 H का वेतन लाभ R- 450 + 450 + 200 S- 350 + 300 + 200 H- 20 + 250 + 200	 1400 500 1100 185 650	शेष लाभ	4500
	4500		4500

साझेदारों के पूंजी खाता

विवरण	R	S	H	विवरण	R	S	H
शेष ला/ग	21900	11250	6350	शेष ला/ग	20,000	10,000	5000
				पूंजी पर ब्याज	800	400	200
				वेतन			500
				लाभ/हानि	1100	850	650
	21900	11250	6350		21900	11250	6350

अथवा

लाभ की गारण्टी – साझेदारी व्यवसाय में किसी साझेदार को उसके प्रवेश पर लाभ प्राप्ति की निश्चित राशि गारण्टी के रुप में किसी एक साझेदार द्वारा, कुछ साझेदारों द्वारा दिया जा सकता है।

1. नये साझेदार का या गारण्टी प्राप्त साझेदार का हिस्सा वास्तविक लाभ में गणना।
2. वास्तविक लाभ में हिस्से को गारण्टी के रुप में दिये गये लाभ से मिलान कीजिये।

(आशय पर 2 नंबर बिन्दु पर 2 नंबर)

उ.7 – –

आधार	समता अंश	पूर्वाधिकार अंश
1. अंश राशि	समता अंश कम मूल्य वाले होते हैं।	पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य अधिक होता है।
2. मताधिकार	प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार है।	सभी प्रस्तावों पर मत दे सकते हैं।
3. लाभांश	समता अंश को पूर्वाधिकार अंश के बाद लाभांश दिया जाता है।	इन्हें सबसे पहले लाभांश दिया जाता है।
4. जोखिम	जोखिम अधिक होता है हानि पर पूंजी भी वापस नहीं मिलती	जोखिम कम होती है पूंजी वापसी में प्राथमिकता

अथवा

नायक प्रिंटर्स की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां –

दिनांक	विवरण	L. F.	राशि	राशि
	बैंक खाता Dr.		5,00,000	
	समता अंशधारियों			3,00,000
	के खाते से			
	10% पूर्वाधिकार अंशधारियों			2,00,000
	के खाते से			
	(आवेदन की राशि प्राप्त होने पर)			

	समता अंशधारी खाता Dr. समता अंश पूंजी खाते से (आवेदन की राशि का समता अंश पूंजी खाते में हस्ता.)		3,00,000	 3,00,000
	10% पूर्वा. अंशधारी खाता Dr. 10% पूर्वा पूंजी खाते से (आवेदन की राशि का 10ः पूर्वा. अंश पूंजी खाते में हस्ता.)		2,00,000	 2,00,000

उ.8 अग्रवाल लिमि. की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां –

	व्यवसाय क्रय खाता Dr. विक्रेता खाते में (व्यवसाय का क्रय) विक्रेता खाता Dr. 6% ऋण–पत्र प्रीमियम खाते से (10% प्रीमिय पर निर्गमन)		2,20,000 2,20,000 	 2,20,000 2,00,000 20,000

अथवा

ऋण–पत्रों के प्रकार –

अ) सुरक्षा की दृष्टि से –
1. सुरक्षित 2. असुरक्षित

ब) अभिलेख की दृष्टि से –
1. वाहक 2. रजिस्टर्ड ऋण–पत्र

स) स्थायित्व की दृष्टि से –
1. शोध्य 2. अशोध्य ऋण–पत्र

द) अन्य –
1. परिवर्तनशील 2. अपरिवर्तनशील

उ.9 पूंजी संचय –

वह संचय जो पूंजीगत लाभों में से बनाया जाता है, जैसे – स्थायी संपत्ति के विक्रय पर लाभ, अंशों पर हरण की राशि।

संचित पूंजी –

संचित पूंजी, कंपनी अपने संपूर्ण जीवन काल में नहीं मांगती, कंपनी समापन के समय मांगी जाती है, चिट्ठे में नहीं दर्शाया जाता है।

अथवा

दायित्व पक्ष की मदें –

1. अंश पूंजी –
   - अ) अधिकृत पूंजी
   - ब) निर्गमित पूंजी
   - स) प्रार्शित पूंजी
   - द) मांगी गयी पूंजी
   - इ) चुकता पूंजी
   - ई) संचित पूंजी
2. संचय व आधित्य
3. सुरक्षित ऋण
4. असुरक्षित ऋण
5. चालू दायित्व एवं आयोजन

उ.10 वित्तीय विश्लेषण की सीमायें –

1. वित्तीय विवरण की सीमायें।
2. मूल्य परिवर्तन को शामिल सीमाये।
3. गुणात्मकता का आभाव।
4. वित्तीय विवरण बोलने में असमर्थ।
5. एकरुपता की कमी।

अथवा

तुलनात्मक आय विवरण –

Particulars	Pre. year	Current year	Absolute change	% Charge
Net Sales Less – cost of Goods Sold Gross Profit Less : Operating Expenses a) Administrative Exp. b) Selling of Distribution Exp Operating Profit Add : Other Income Earning before into tax Less : Interest paid Profit before Tax Less : Income Tax Profit : After Tax				

उ.11 अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य –

1) लाभदायकता की माप
2) शोधन क्षमता की जॉच
3) व्यवसाय संचालन क्षमता की जॉच
4) वित्तीय स्थिति का विश्लेषण
5) वित्तीय पूर्वानुमान व नियोजन
6) तुलनात्मक अध्ययन में सुविधा
7) संवहन व समन्वय में सहायक

अथवा

हल :–

1) सकल लाभ अनुपात = $\frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध विक्रय}}$ x 100

= $\frac{7,20,000}{24,00,000}$ x 100

= 30%

2) Gross Profit = विक्रय – बेचे गये माल की लागत

= 12,50,000 – 9,50,000

= 3,00,000

3) Gross Profit = $\frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध विक्रय}}$ x 100

= $\frac{3,00,000}{12,50,000}$ x 100

= 24%

उ.12 बलबीर आगरा की पुस्तकों में प्रेषण खाता

दिनांक	विवरण	राशि रु.	दिनांक	विवरण	राशि रु.
	प्रेषित माल खाता में रोकड़ खाते अमीरचंद से अमीरचंद से व्यय अमीरचंद से कमीशन लाभ/हानि खाता	10,000 400 80 212 486 872		अमीरचंद को विक्रय असामान्य हानि खाते को स्कंध खाते को – 400 x 2 = 800 400 x 2/25 = 32 80 x 2 ÷ 20 = 8 840 Less – Repair 50	9180 2080 790
		12050			**12050**

असामान्य हानि की गणना –

5 पंखों की लागत 5 x 400 = 2000

प्रेषक के व्यय $\frac{400 \times 5}{25}$ = 80

2080

अथवा

बाबूलाल रायपुर की पुस्तकों में प्रेषण खाता –

दि.	विवरण	राशि रु.	दि.	विवरण	राशि रु.
2001					
जन. 1	प्रेषित माल खाता से	7500		अमजद अली को विक्रय	10,500
जन. 1	रोकड़ खाते से	600		स्कंध खाते को –	
जन. 10	अमजद अली (आक्ट्रॅय)	1200		लागत – 20 x 75	
जन. 31	अमजद अली (कमीशन)	775		= 1500	
जन. 31	(525 + 250)			व्यय – 1800 x 20	
	लाभ/हानि खाते से	2285		100	1860
				= 360	
		12360			**12360**

उ. 13

पुराना अनुपात – A : B : C

3 : 3 : 2

नया अनुपात – A : B : C

4 : 3 : 2

भवन के मूल्य में वृद्धि + 40,000

संपत्ति के मूल्य में कमी

स्टॉक 10,000 + मशीन 15900 – 25900

अशोध्य ऋण प्रावधान (–) 2200

दायित्व (+) 2500

सामान्य संचय (+) 36000

(+) 50400

पुराने अनुपात में के. – 3 : 3 : 2

	A	B	C	
+	18900	18900	12600	पुराना अनुपात
-	22400	- 16800	- 11200	नया अनुपात
-	3500	+ 2100	1400	

A का पूंजी खाता Dr. 3500

B के पूंजी खाते से 2100

C के पूंजी खाते से 1400

साझेदारों के पूंजी खाता

विवरण	A	B	C	विवरण	A	B	C
Bकी पूंजी	2100			शेष ला/ग	2,00,000	1,50,000	1,50,000
Cकी पूंजी	1400						
शेष ले/ग.	1,96,500	1,52,100	1,51,400	A की पूंजी		2100	1400
	2,00,000	**1,52,100**	**1,51,400**		**2,00,000**	**1,52,100**	**1,51,400**

Balance – Sheet

as on 1/04/2007

विवरण	राशि	विवरण	राशि
विविध लेनदार	24000	बैंक में रोकड़	37000
सामान्य संचय	36000	विविध देनदार	44000
पूंजी –		स्टाक	120000
A - 1,96,500		मशीन	150000
B – 1,52,100		भवन	200000
C – 1,51,400	5,00,000		
	5,60,000		**5,60,000**

अथवा

साझेदारों के पूंजी खाता

विवरण	A	B	C	विवरण	A	B	C
A की पूंजी	–	–	2000	शेष ला/ग	1,00,000	50,000	25000
B की पूंजी	–	–	2000				
A की पूंजी	–	–	2000	C की पूंजी	2000	2100	–
B की पूंजी	–	–	2000	C की पूंजी	2000	2000	–
C की पूंजी	200	200	–	A की पूंजी	–	–	200
A की पूंजी	–	–	200	B की पूंजी	–	–	200
B की पूंजी	–	–	200	C की पूंजी	200	200	–
शेष ले/ग.	1,12,000	6,2000	21000	सामान्य संचय	8000	8000	4000
	1,12,200	**6,22,200**	**29,400**		**1,12,200**	**6,22,200**	**29,400**

Balance – Sheet

विवरण	राशि	विवरण	राशि
लेनदार	50,000	भूमि	50,000
देय बिल	25000	भवन	50,000
पूंजी –		प्लाण्ट	1,00,000
A - 1,20,000		स्टॉक	50,000
B – 62,000		देनदार	15,000
C – 21,000	5,00,000	रोकड़	5,000
	2,70,000		**2,70,000**

प्र.15. पुनः मूल्यांकन खाता –

विवरण	राशि	विवरण	राशि
स्टॉक से	300	भवन को	1500
		प्लान्ट	1000
लाभ		प्रावधान	300
राजेश 1500			
श्रीराम 1000	2500		
	2800		**2800**

साझेदारों का पूँजी A/c

विवरण	राजेश	श्रीराम	मोहन	विवरण	राजेश	श्रीराम	मोहन
राजेश के पूंजी A/c			1800	शेष b/d को	7500	4500	–
श्रीराम के पूंजी A/c			1200	पुनः मूल्यांकन	1500	1000	–
शेष b/d	10800	6700	1375	मोहन पूँजी को	1800	–	–
				रोकड़ को	–	–	4375
कुल	**10800**	**6700**	**4375**	**कुल**	**10800**	**6700**	**4375**

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात – नया अनुपात

राजेश $\frac{3}{5}-\frac{12}{25}=\frac{3}{25}$

राजेश $\frac{2}{5}-\frac{8}{25}=\frac{2}{25}$

त्याग अनुपात = 3 : 2

अथवा (Or)

विवरण	राशि	विवरण	राशि
स्टॉक A/c	600	भवन A/c	18000
लाभ			
A 5800	17600		
B 5800			
C 5800			
	18000		**18000**

साझेदारों का पूँजी खाता

विवरण	A	B	C	विवरण	A	B	C
प्रत्याति	6300	6300	6300	शेष b/d	30000	20000	20000
To due A/c	—	—	21150	सा. संचय	1400	1400	1400
C का पूंजी A/c	1750	1750	—	पुनः मूल्यांकन	5800	5800	5800
शेष	29150	19150	—	लाभ (3माह)	—	—	750
				A के पूंजी A/c	—	—	1750
				B'sके पूंजी A/c	—	—	1750
कुल	**37200**	**27200**	**31450**		**37200**	**27200**	**31450**

गत्याति = $\frac{11500+14000+9000+8000+10000}{5}$

$\frac{52500}{5}=10500$

'स' का हिस्सा = $10500X\frac{1}{3}=3500$

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
लेनदार	12900	भवन	58000
C की पूँजी	25150	(40000+18000)	
विनियोग फण्ड		विनियोग 5000–300)	4700
1200		स्टॉक (1000–600)	9400
(-) पुनः मूल्यांकन	900	देनदार	9200
300		बैंक	5200
पूँजी	48300	लाभ C का	750
A 29150			
19150			
	87250		**87250**

लाभ की गणना

लाभ = $\frac{9000+8000+10000}{3} = \frac{27000}{3} = 9000$

'स' का भाग = $9000 X \frac{1}{3} X \frac{1}{4} = 750$

प्र. 16 Balance sheet

31 Dec. 2006

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
लेनदार	80,000	रोकड़	10,000
B की ऋण	20,000	विविध संपत्तियां	
पूँजी खाता		(पुस्तक मूल्य)	2,10,000
A	50,000		
B	40,000		
C	30,000		
	2,20,000		**2,20,000**

वसूली खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
विविध संपत्ति	2,10,000	लेनदार	80,000
रोकड़ खाता	72,000	रोकड़ खाता	
(लेनदार)		(संपत्ति वसूली)	1,80,000
		हानि का हस्तां. A 8800 B 8800 C 4400	
	2,82,000		**2,82,000**

साझेदारों का पूँजी खाता

विवरण	A Rs.	B Rs.	C Rs.	विवरण	A Rs.	B Rs.	C Rs.
वसूली खाता	8800	8800	4400	शेष b/d	50000	40,000	30,000
रोकड़ खाता	41,200	51,200	25,600	B का ऋण खाता	—	20,000	—
कुल	**50,000**	**60,000**	**30,000**		**50,000**	**60,000**	**30,000**

B का ऋण खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
B का पूँजी खाता	20,000	शेष ला/ग	20,000

रोकड़ खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
शेष ला/ग	10,000	वसूली खाते को	72,000
वसूली खाते से	1,80,000	A का पूँजी खाता B का पूँजी खाता C का पूँजी खाता	41,200 51,200 25,600
	1,90,000		**1,90,000**

अथवा (Or)

आधार	वसूली खाता	पुर्नमूल्यांकन
1. समय	वसूली खाता फर्म के समापन के समय बनाया जाता है।	साझेदार के प्रवेश/निवृत्ति या मृत्यु के समय बनाया जाता है।
2. उद्देश्य	समापन के समय लाभ/हानि का पता लगाने के लिए।	साझेदार के प्रवेश/निवृत्ति या मृत्य की दशा में संपत्ति का पुर्नमूल्यांकन करने हेतु
3. विधि	डेबिट पक्ष में संपत्तियों का पुस्त मूल्य व दायित्वों का वास्तविक मूल्य क्रेडिट में दायित्व पुस्त मूल्य पर संपत्ति के वास्तविक प्राप्त मूल्य	संपत्तियों एवं दायित्वों के पुस्त मूल्य पर पुर्नमूल्यांकन मूल्य के अंतर
4. प्रभाव	खाते बंद एवं व्यापार समाप्त	व्यवसाय चालू रहता है।

उ. 17 कंपनी अपने अंतर्नियमों के प्रावधानों के अधीन, हरण किये गये अंशों को रद्द या पुनर्निगमन कर सकती है। पुनर्निगमन सममूल्य पर, बट्टे पर व प्रीमियम पर किया जाता है, पुनर्निगमन पर पूरी रकम एक साथ ली जाती है। अगर अंशों का बट्टे पर पुनर्निगमन किया जा रहा है तो बट्टे की राशि उस राशि से अधिक नहीं होनी चाहिये जितनी पहले वाले अंशधारी चुकता कर चुका है।

प्रविष्टियां –

1. (सममूल्य पर पुनर्निगमन)

बैंक खाता Dr

अंश पूंजी खाते से

अंश हरण खाते की पूॅजी संचय में हस्ता0

अंश हरण खाता Dr

(पूंजी संचय)

2. (हरित अंशों का प्रीमियम पर पुनर्निगमन)

बैंक खाता Dr

अंश पूंजी खाते से

अंश प्रीमियम खाते से

3. (बट्टे पर पुनर्निगमन)

बैंक खाता Dr

अंश हरण खाता

अंश पूंजी खाते से

(पूर्व में बट्टे पर निर्गमित अंशों का पुनर्निगमन)

बैंक खाता Dr

बट्टे पर निर्गमित अंश A/c Dr

अंश हरण A/c Dr.

अंश पूँजी खाते से

अथवा (Or)

जर्नल प्रविष्टियां

दिनांक	विवरण	L.F.	पुर्नमूल्यांकन	पुर्नमूल्यांकन
	बैंक खाता Dr. अंश खाते से (आवेदन की राशि प्राप्त)		41,000	41,000
	अंश आवेदन खाता Dr. अंश पूँजी खाते से (आवेदन की राशि देय होने पर)		20,000	20,000
	अंश आवेदन खाता Dr. बैंक खाते से (आवेदन की राशि वापस करने पर)		3,000	3,000
	अंश आवंटन खाता Dr. अंश पूँजी खाते से (आवंटन की राशि देय होने पर)		30,000	30,000

	बैंक खाता Dr. अंश आवेदन खाता अंश आवंटन खाते से (अतिरिक्त आवेदन की राशि का समायोजन)		18,000 12,000	 30,000
	अंश याचना Dr. अंश पूँजी खाते से (याचना की राशि देय)		50,000	50,000
	बैंक खाता Dr. अंश आवेदन खाता Dr. अंश याचना खाते से (अतिरिक्त आवेदन की राशि का समायोजन)		44,000 6,000	 50,000

B/S

दायित्व	राशि	विवरण	राशि
पूँजी – अधिकृत, याचित, अंश पूँजी		चालू खाता बैंक	1,00,000
10,000 अंश प्रति 10रू.	1,00,000		
	1,00,000		**1,00,000**

प्र. 18 का उत्तर

तुलनात्मक चिट्ठा

31 मार्च, 2006 व 2007

विवरण	2006	2007	अंतर	प्रतिशत परिवर्तन
	Rs.	Rs.	Rs.	%
स्थायी संपत्ति	30,00,000	36,00,000	6,00,000	20
विनियोग	10,00,000	10,00,000	-	-
चालू संपत्ति	15,00,000	10,50,000	(4,50,000)	(30)
कुल संपत्ति	**55,00,000**	**56,50,000**	**1,50,000**	**2.7**
समता अंशपूँजी	25,00,000	25,00,000	-	-
संचय एवं आधिक्य	10,00,000	11,00,000	1,00,000	1.0
दीर्घ कालीन ऋण	15,00,000	15,00,000	-	-
चालू दायित्व	5,00,000	5,50,000	50,000	10
कुल दायित्व	**55,00,000**	**56,50,000**	**1,50,000**	**2.7**

अथवा (Or) का उत्तर

वित्तीय विश्लेषण का महत्व नि0 पक्षों के प्रति इस प्रकार है :–

1) **अंशधारी** – वित्तीय विश्लेषण से अंशधारी व्यवसाय की लाभदायकता की स्थिति का विश्लेषण कर उन्हें प्राप्त होने वाले लाभांश की मात्रा का अध्ययन कर सकते हैं वे यह निर्णय ले सकते हैं कि कम्पनी के लाभ के लाभांश के रूप में ले लिया जाए या उसे व्यवसाय में पुनः विनियोग कर दिया जाए।

2) **लेनदार** – व्यसाय के लेनदार अल्पकालीन या दीर्घकालीन ऋणों की फर्म की अदायगी की स्थिति की जानकारी वित्तीय विश्लेषण से प्राप्त कर सकते हैं और यह निर्णय ले सकते हैं कि वे फर्म को ऋण दे या न दे।

3) **सरकार –** सरकार वित्तीय विश्लेषण के द्वारा उद्योगों की सफलता का अनुमान लगाती है, आर्थिक विकास की नीतियों को बनाने में ये विश्लेषण सहायक होते हैं।

प्र.19 का उत्तर

रोकड़ प्रवाह विवरण का प्रारूप :–

विवरण		राशि	राशि
A.	Cash Flows Four Operting Activities	-	
	Cash receipts from Custoners	(-)	
	Cash paid to sppliers and enployees	-	
	Cash generated from operating activities	(-)	
	Income Tax paid	-	
	Cash flow by one extraordinry items	-	
	(+) or (-) Extraordinory items	-	
	Net cash from operting activities	-	-
B.	Cash Flows From Investing Activities		
	Purchase of fixed assets	(-)	
	Sale of fixed assets	-	
	Purchase of investments (long – term)	(-)	
	Sale of investments (long – term)	-	
	Interest received	-	
	Divietend received	-	
	Net cash from investing activities	-	-
C.	Cash Flows From financing Activities		
	Proceedes from issue of shere capital	-	
	Proceeds from long-term borrowings	-	
	Repayments of long-term borrowings	(-)	
	Interest paid	(-)	
	Dividend paid	(-)	

Net cash from financing activities	-	-
Net Increase (or decrease) in cash and cash equivalents (A + B + C)		
Cash and cash equivalents at the beginning of the period		
Cash and cash equivalents at the end of the period		-

अथवा (Or) का उत्तर

कोष प्रवाह का विवरण व रोकड़ प्रवाह विवरण में अन्तर :–

अंतर का आधार	कोष प्रवाह विवरण	रोकड़ प्रवाह विवरण
1. अवधारणा	कोष प्रवाह विवरण, कोष की व्यापक अवधारणा पर आधारित है जहॉ कोष का तात्पर्य कार्यशील पूंजी से है।	रोकड़ प्रवाह विवरण, कोष की संकीर्ण अवधारणा पर आधारित है जहॉ कोष का 'रोकड' माना गया है।
2. परिवर्तन का आधार	कोष प्रवाह विवरण कार्यशील पूॅजी में परिवर्तन के कारण कोष में परिवर्तन मानता है	रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ स्थिति में परिवर्तन होने पर रोकड़ प्रवाह मानता है।
3. लेखांकन प्रमाप	कोष प्रवाह विवरण के संबंध में कोई भी लेखांकन प्रमाप नहीं बनाया गया।	रोकड़ प्रवाह विवरण के संबंध में लेखांकन प्रमाप–3 स्थापित किया गया है।
4. क्रियाएं	कोष प्रवाह विवरण में कोष प्रवाह को विभिन्न क्रियाओं में वर्गीकृत नहीं किया गया है	रोकड़ प्रवाह विवरण में लेखांकन प्रमाप–3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह की गणना संचालन, विनियोग व वित्तीय क्रियाओं में करनी पड़ती है

5. लेखांकन पद्धति	कोष प्रवाह विवरण लेखांकन की उपार्जन विधि पर आधारित है।	रोकड़ प्रवाह विवरण लेखांकन की रोकड़ विधि पर आधारित है।
6. विश्लेषण विधि	कोष प्रवाह विवरण दीर्घकालीन वित्तीय विश्लेषण के लिए उपयोगी है।	रोकड़ प्रवाह विवरण अल्पकालीन वित्तीय विश्लेषण के लिये उपयोगी है।

प्रश्न 20 का उत्तर

दि.	विवरण	राशि	राशि
	बैंक A/c विक. 12% ऋण पत्र आवेदन पत्र A/c से (आवेदन की राशि प्राप्त)	 20,000	 20,000
	12% ऋण पत्र आवेदन A/c विक. 12% ऋण पत्र A/c से (राशि समायोजित की गई)	 20,000	 20,000
	12% ऋण पत्र आवंटन A/c विक. 12% ऋण पत्र A/c से 12% ऋण पत्र प्रीमियम A/c से (आवंटन की राशि मांगी गई)	35,000	 30,000 5,000
	बैंक A/c विक. 12% ऋण पत्र आवंटन A/c से अग्रिम याचना A/c से (राशि प्राप्त)	45,000	 35,000 10,000

	12% ऋण पत्र प्रथम याचना A/c विक. 12% ऋण पत्र A/c से (राशि मांगी गई)	25,000	 25,000
	बैंक A/c विक. अग्रिम याचना A/c विक. 12% ऋण पत्र प्रथम याचना A/c से (राशि प्राप्त)	20,000 5,000	 25,000
	12% ऋण पत्र द्वितीय याचना A/c विक. 12% ऋण पत्र A/c से (राशि मांगी गई)	25,000	 25,000
	बैंक A/c विक. अग्रिम याचना A/c विक. द्वितीय याचना A/c से (राशि प्राप्त)	20,000 5,000	 25,000
	ऋण पत्र पर ब्याज A/c विक. बैंक A/c से (ब्याज की राशि प्राप्त)	150	 150

अथवा (Or) का उत्तर

ऋण पत्र के नि0 लि0 प्रकार है :–

1) सुरक्षित ऋण पत्र

2) असुरक्षित ऋण पत्र

3) वाहक ऋण पत्र

4) रजिस्टर्ड ऋण पत्र

5) शोध्य ऋण पत्र

6) अशोध्य ऋण पत्र

7) परिवर्तनशील ऋण पत्र

8) अपरिवर्तनशील ऋण पत्र

प्रश्न 14 का उत्तर

कंपनी की नि0 लि0 विशेषताएं हैं :–

1) कंपनी का जन्म कानून के अधीन होता है। एक व्यक्ति के समान इसके कानूनी अधिकार और कर्त्तव्य होते हैं, लेकिनयह हाड़ माँस का व्यक्ति नहीं है।

2) कंपनी अधिनियम के अनुसार कंपनी को एक व्यक्तित्व मिला होता है। अतः इसे वैधानिक कृत्रिम व्यक्ति कहते हैं।

3) कंपनी का अस्तित्व पृथक होता हैं इसका अर्थ यह है कि कंपनी अपने सदस्यों के कार्यों के लिए और सदस्य कंपनी के कार्यों के लिए जिम्मेदार नहीं होते हैं।

4) कंपनी का कार्य उनकी मोहर के द्वारा चलाया जाता है जिसे सार्वमुद्रा कहते हैं।

5) कंपनी के अविच्छिन्न उत्तरदायित्व प्राप्त होता है। इसके सदस्य दिन–प्रतिदिन बदलते रहते हैं परन्तु इसका प्रभाव कंपनी पर नहीं पड़ता है। वह परम्परागत रूप से अपना कार्य करती है।

6) कंपनी के प्रत्येक अंशधारी का दायित्व उसके द्वारा खरीदे गए अंश की रकम तक या उसके द्वारा दी गयी गारण्टी तक सीमित होता है।

अथवा (Or) का उत्तर

दि.	विवरण	राशि	राशि
	बैंक A/c विक. समता अंश आवेदन पत्र A/c से (आवेदन की राशि प्राप्त)	6,000	6,000

	समता अंश ओवदन पत्र A/c विक. समता अंश पूँजी A/c से (राशि समायोजित की गई)	6,000	 6,000
	समता अंश आवंटन A/c विक. समता अंश कटौती A/c विक. समता अंश पूँजी A/c से (राशि मांगी गई)	6,000 3,000	 9,000
	बैंक A/c विक. समता अंश आवंटन A/c से (आवंटन की राशि प्राप्त)	6,000	 6,000
	समता अंश प्रथम याचना A/c विक. समता अंश पूँजी A/c से (प्रथम याचना की राशि मांगी गई)	15,000	 15,000
	बैंक A/c विक. समता अंश प्रथम याचना A/c से (प्रथम याचना की राशि प्राप्त)	11,000	 11,000
	समता अंश पूँजी A/c विक. समता अंश हरण A/c से समता अंश कटौती A/c से (प्रथम याचना की राशि मांगी गई)	8,000	 3,200 800
	समता अंश प्रथम याचना A/c से (हरण किए गए अंशों को कटौती पर निर्गमित किए गए)		4,000

	बैंक A/c	विक.	7,600	
	कटौती A/c	विक.		
	अंश पूँजी A/c	से	400	
	(राशि प्राप्त)			8,000
	अंश हरण A/c	विक.	3,200	
	पूँजी संचय A/c	से		3,200
	(संचय खाते में हस्तांतरित)			

नोट –

1) $\frac{8000 X 5}{100}$ = Rs. 400

2) 8000 – 400 = Rs. 7600

3) 3000 Shares X 10 = Rs. 30,000

$\frac{30000 X 10}{100}$ = Rs. 3000 (Discount)